DAINIK BHASKAR, Delhi, 8.3.2023
Page No. 7, Size:(13.68)cms X (7.50)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • यात्रियों को बाहरी आवाज परेशान न करे, इसलिए एलिवेटेड रूट पर लगा रहे नॉइज बैरियर

सूरत | अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर पर बुलेट ट्रेन में बैठे यात्रियों को पटरी और ट्रेन के पहिये के साथ बाहरी आवाज परेशान न करे, इसलिए वायडक्ट के दोनों ओर नॉइज बैरियर लगाए जा रहे हैं। 1 मीटर चौड़ा कंक्रीट पैनल के रूप में ये नॉइज बैरियर शिंकानसेन तकनीकी के आधार पर रेल लेवल से 2 मीटर की ऊंचाई पर लगाए जा रहे हैं। यह पटरियों, ट्रेन व ट्रेन के निचले हिस्से से उत्पन्न होने वाली ध्वनि को रोकेंगे।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • यात्रियों को बाहरी शोर परेशान न करे, इसलिए एलिवेटेड रूट पर लगा रहे नॉइज बैरियर

सूरत | अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर पर बुलेट ट्रेन में बैठे यात्रियों को पटरी और ट्रेन के पहिये के साथ बाहरी आवाज परेशान न करे, इसलिए वायडक्ट के दोनों ओर नॉइज बैरियर लगाए जा रहे हैं। 1 मीटर चौड़ा कंक्रीट पैनल के रूप में ये नॉइज बैरियर शिंकानसेन तकनीकी के आधार पर रेल लेवल से 2 मीटर की ऊंचाई पर लगाए जा रहे हैं। यह पटरियों, ट्रेन व ट्रेन के निचले हिस्से से उत्पन्न होने वाली ध्वनि को रोकेंगे। नॉइज बैरियर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इससे यात्रियों को यात्रा के दौरान बाहर के दृश्य देखने में बाधा न आए। शहरी तथा आवासीय क्षेत्रों से गुजरने वाले वायडक्ट में 3 मीटर लंबे ध्वनि अवरोधक लगाए जाएंगे। 2 मीटर कंक्रीट पैनल के अलावा अतिरिक्त 1 मीटर का शोर अवरोधक 'पॉलीकार्बोनेट' होगा।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.
SANDESH, Surat, 8.3.2023
Page No. 3, Size:(10.24)cms X (9.33)cms.

A concrete wall will be constructed on both sides of the track for the safety of bullet trains

2 મીટર ઊંચી, 1 મીટર પહોંળી દીવાલ બનાવવાનો આરંભ

બુલેટ ટ્રેનની સલામતી માટે ટ્રેકની બંને તરફ કોંક્રિટની દીવાલ બનશે

। સુરત ।

અમદાવાદ-મુંબઈ બુલેટ ટ્રેનની કામગીરી બુલેટ ગતિએ આગળ વધી રહી છે. ૧૫૦ કિલોમીટર સુધી પિલર ઊભા કરી દેવાયા છે. જ્યારે ૨૫ કિલોમીટર સુધીમાં વાયડક્ટ તૈયાર કરી દેવામાં આવ્યા છે. ત્યારે હવે બુલેટ ટ્રેનની સલામતીને ધ્યાને રાખી ટ્રેકની બંને તરફ કોંક્રિટની બે મીટર ઊંચી દીવાલ બનાવવામાં આરંભ કરી દેવાયો છે. ટ્રેકની બંને તરફ બે મીટર ઊંચી અને ૧ મીટર પહોંળી દીવાલ બનાવવાનો આરંભ કરી દેવામાં આવ્યો છે.

ગુજરાતમાં બુલેટ ટ્રેન માટેની જમીન સંપાદનની કામગીરી પૂર્ણ થઈ ચૂકી છે. તેમજ ટ્રેકના આરસીસી વર્કથી માંડીને રેલવે સ્ટેશન અને ઓવરબ્રિજ-અંદરપાસ બનાવવા માટેનો કોન્ટ્રાક્ટ ફાળવી દેવામાં આવ્યો છે. એજન્સીઓએ પુરજોશમાં કામગીરી શરૂ પણ કરી દીધી છે. બુલેટ ટ્રેકના ટ્રેક માટેના પિલર ૧૫૦ કિલોમીટર વિસ્તાર સુધીમાં ઊભા કરી દેવામાં આવ્યા છે. જ્યારે વાયડક્ટ એટલે કે જેના પર ટ્રેક બિછાવવામાં આવશે તે વાયડક્ટ ૨૫ કિલોમીટર એરિયામાં તૈયાર થઈ ગયો છે. હવે ટ્રેકની બંને તરફ દીવાલ બનાવવાનો આરંભ કરવામાં આવ્યો છે. આ દીવાલ ૨ મીટર ઊંચું હશે. જેથી કરીને ઊંચાઈ પર પુરપાટ ઝડપે દોડતી ટ્રેનને પવનની સાથે અન્ય કોઈપણ પ્રકારના અવરોધો નડે નહીં. આ ઉપરાંત ટ્રેનમાં બેસેલા મુસાફરોને બહારનો અવાજ પણ વધુ પ્રમાણમાં સંભળાશે નહીં.

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 8.3.2023
Page No. 3, Size:(8.08)cms X (5.25)cms.

शोर को कम करने के लिए रेलवे की कवायद

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर बनाए जा रहे शोर अवरोधक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर के वायाडक्ट के दोनों ओर शोर अवरोधक बनाए जा रहे हैं। इससे शोर को संचालन एवं सिविल संरचना के जरिए कम करने मे मदद करेंगे नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के मुताबिक जापान की शिंकानसेन प्रौद्योगिकी के आधार पर शोर अवरोधक रेल स्तर से 2 मीटर की ऊंचाई तथा 1 मीटर चौड़े कंक्रीट पैनल हैं। ये पैनल वायाडक्ट के दोनों ओर लगाए जा रहे हैं।

यह शोर अवरोधक ट्रेन और ट्रेन के निचले हिस्से से उत्पन्न होने वाली वायुगतिकीय ध्वनि को प्रतिबिंबित एवं विभाजित करेंगे, जो मुख्यतः पटरियों पर पहियों से उत्पन्न होती है।

शोर अवरोधकों को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इससे यात्रियों को ट्रेन की यात्रा के दौरान बाहर के दृश्य को देखने में बाधा नहीं आएगी।

शहरी तथा आवासीय क्षेत्रों में वायाडक्ट में 3 मीटर लंबे ध्वनि अवरोधक लगाए जाएंगे। 2 मीटर कंक्रीट पैनल के अलावा अतिरिक्त 1 मीटर का शोर अवरोधक पॉलीकार्बोनेट तथा पारभासी होगा। हालांकि, ट्रेन की डबल-स्किन एल्युमिनियम अलॉय बॉडी होने से ट्रेन के अंदर के शोर का स्तर कम ही होगा।

ब्लास्टिंग ध्वनि कम

हाई स्पीड बुलेट ट्रेन की लंबी और नुकीली नाक वायुगतिकीय ड्रैग को कम करते हुए सुरंग से बाहर निकलने के दौरान सूक्ष्म दबाव तरंगों के कारण उत्पन्न होने वाली ब्लास्टिंग ध्वनि को भी कम करेगी। गौरतलब है कि 508 किमी लंबे एमएएचएसआर संरेखण (ट्रैक) का 465 किमी से अधिक हिस्सा एलिवेटेड (वायडक्ट पर) है।

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 10.3.2023
Page No. 4, Size:(24.00)cms X (6.93)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर

शोर को कम करने के लिए बन रहे वायाडक्ट के दोनों ओर अवरोधक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर के वायाडक्ट के दोनों ओर शोर अवरोधक बनाए जा रहे हैं। यह शोर को संचालन एवं सिविल संरचना के जरिए कम करने मे मदद करेंगे।

एनएचएसआरसीएल के अनुसार जापान की शिंकानसेन तकनीक के आधार पर शोर अवरोधक रेल स्तर से 2 मीटर की ऊंचाई तथा 1 मीटर चौड़े कंक्रीट पैनल हैं। ये पैनल वायाडक्ट के दोनों ओर लगाए जा रहे हैं।

यह शोर अवरोधक ट्रेन और ट्रेन के निचले हिस्से से उत्पन्न होने वाली वायु गतिकीय ध्वनि को प्रतिबिंबित एवं विभाजित करेंगे, जो मुख्यतः पटरियों पर पहियों से उत्पन्न होती है। शोर अवरोधकों को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इससे यात्रियों को ट्रेन की यात्रा के दौरान बाहर के दृश्य को देखने में बाधा नहीं आएगी।

शहरी तथा आवासीय क्षेत्रों में वायाडक्ट में 3 मीटर लंबे ध्वनि अवरोधक लगाए जाएंगे। 2 मीटर कंक्रीट पैनल के अलावा अतिरिक्त 1 मीटर का शोर अवरोधक पॉलीकार्बोनेट तथा पारभासी होगा। हालांकि, ट्रेन की डबल-स्किनएल्युमिनियम अलॉय बॉडी होने से ट्रेन के अंदर के शोर का स्तर कम ही होगा।

हाई स्पीड बुलेट ट्रेन की लंबी और नुकीली नाक वायुगतिकीय ड्रैग को कम करते हुए सुरंग से बाहर निकलने के दौरान सूक्ष्म दबाव तरंगों के कारण उत्पन्न होने वाली ब्लास्टिंग ध्वनि को भी कम करेगी। गौरतलब है कि 508 किमी लंबे एमएएचएसआर संरेखण (ट्रेक) का 465 किमी से अधिक हिस्सा एलिवेटेड (वायडक्ट पर) है।

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 10.3.2023
Page No. 4, Size:(24.00)cms X (6.93)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर

शोर को कम करने के लिए बन रहे वायाडक्ट के दोनों ओर अवरोधक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर के वायाडक्ट के दोनों ओर शोर अवरोधक बनाए जा रहे हैं। यह शोर को संचालन एवं सिविल संरचना के जरिए कम करने मे मदद करेंगे।

एनएचएसआरसीएल के अनुसार जापान की शिंकानसेन तकनीक के आधार पर शोर अवरोधक रेल स्तर से 2 मीटर की ऊंचाई तथा 1 मीटर चौड़े कंक्रीट पैनल हैं। ये पैनल वायाडक्ट के दोनों ओर लगाए जा रहे हैं।

यह शोर अवरोधक ट्रेन और ट्रेन के निचले हिस्से से उत्पन्न होने वाली वायु गतिकीय ध्वनि को प्रतिबिंबित एवं विभाजित करेंगे, जो मुख्यतः पटरियों पर पहियों से उत्पन्न होती है। शोर अवरोधकों को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इससे यात्रियों को ट्रेन की यात्रा के दौरान बाहर के दृश्य को देखने में बाधा नहीं आएगी।

शहरी तथा आवासीय क्षेत्रों में वायाडक्ट में 3 मीटर लंबे ध्वनि अवरोधक लगाए जाएंगे। 2 मीटर कंक्रीट पैनल के अलावा अतिरिक्त 1 मीटर का शोर अवरोधक पॉलीकार्बोनेट तथा पारभासी होगा। हालांकि, ट्रेन की डबल-स्किनएल्युमिनियम अलॉय बॉडी होने से ट्रेन के अंदर के शोर का स्तर कम ही होगा।

हाई स्पीड बुलेट ट्रेन की लंबी और नुकीली नाक वायुगतिकीय ड्रैग को कम करते हुए सुरंग से बाहर निकलने के दौरान सूक्ष्म दबाव तरंगों के कारण उत्पन्न होने वाली ब्लास्टिंग ध्वनि को भी कम करेगी। गौरतलब है कि 508 किमी लंबे एमएएचएसआर संरेखण (ट्रेक) का 465 किमी से अधिक हिस्सा एलिवेटेड (वायडक्ट पर) है।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

RAJASTHAN PATRIKA, Delhi, 10.3.2023
Page No. 9, Size:(24.00)cms X (6.93)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर

शोर को कम करने के लिए बन रहे वायाडक्ट के दोनों ओर अवरोधक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर के वायाडक्ट के दोनों ओर शोर अवरोधक बनाए जा रहे हैं। यह शोर को संचालन एवं सिविल संरचना के जरिए कम करने मे मदद करेंगे।

एनएचएसआरसीएल के अनुसार जापान की शिंकानसेन तकनीक के आधार पर शोर अवरोधक रेल स्तर से 2 मीटर की ऊंचाई तथा 1 मीटर चौड़े कंक्रीट पैनल हैं। ये पैनल वायाडक्ट के दोनों ओर लगाए जा रहे हैं।

यह शोर अवरोधक ट्रेन और ट्रेन के निचले हिस्से से उत्पन्न होने वाली वायु गतिकीय ध्वनि को प्रतिबिंबित एवं विभाजित करेंगे, जो मुख्यतः पटरियों पर पहियों से उत्पन्न होती है। शोर अवरोधकों को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इससे यात्रियों को ट्रेन की यात्रा के दौरान बाहर के दृश्य को देखने में बाधा नहीं आएगी।

शहरी तथा आवासीय क्षेत्रों में वायाडक्ट में 3 मीटर लंबे ध्वनि अवरोधक लगाए जाएंगे। 2 मीटर कंक्रीट पैनल के अलावा अतिरिक्त 1 मीटर का शोर अवरोधक पॉलीकार्बोनेट तथा पारभासी होगा। हालांकि, ट्रेन की डबल-स्किनएल्युमिनियम अलॉय बॉडी होने से ट्रेन के अंदर के शोर का स्तर कम ही होगा।

हाई स्पीड बुलेट ट्रेन की लंबी और नुकीली नाक वायुगतिकीय ड्रैग को कम करते हुए सुरंग से बाहर निकलने के दौरान सूक्ष्म दबाव तरंगों के कारण उत्पन्न होने वाली ब्लास्टिंग ध्वनि को भी कम करेगी। गौरतलब है कि 508 किमी लंबे एमएएचएसआर सरेखण (ट्रेक) का 465 किमी से अधिक हिस्सा एलिवेटेड (वायडक्ट पर) है।